C408

Total Pages : 3 Roll No. .....

MASL-507

भारतीय दर्शन भाग-02

MA Sanskrit (MASL)

Second Semester Examination, 2022 (June)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 80**

नोट : यह प्रश्नपत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×20=40)

1. जैनदर्शन के अनुसार बन्धन के स्वरूप का विवेचन कीजिए।

2. तर्कभाषा के आधार पर कारण के स्वरूप एवं भेदों की व्याख्या कीजिए।

3. तर्कभाषा के अनुसार त्रिविध कारणों का विवेचन कीजिए।

4. न्याय दर्शन के अनुसार षोढा-सन्निकर्ष का प्रतिपादन कीजिए।

5. जैनदर्शन के अनुसार अनुमान व्यवस्था को विस्तारपूर्वक प्रस्तुत कीजिए।

अथवा

चार्वाक दर्शन के अनुसार प्रमाण एवं अनुमान विषयक अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×10=40)

1. तर्कभाषा के अनुसार अनुमान प्रमाण का विवेचन कीजिए।

2. जैन दर्शन के अनुसार 'सत्' वस्तु की परिभाषा देते हुए उसका स्वरूप विश्लेषण कीजिए।

3. चार्वाक दर्शन की मोक्षविषयक अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

4. जैनदर्शनाभिमत प्रमाणों को बताइए।

5. चार्वाक दर्शन के अनुसार प्रमाण कितने हैं? स्पष्ट कीजिए।

6. तर्कभाषा में वर्णित पदार्थों को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

तर्कभाषा के अनुसार 'अलौकिक प्रत्यक्ष' की व्याख्या कीजिए।

7. श्रीमद्भगवतगीता में चार्वाक दर्शन पर निबन्ध लिखें।

अथवा

तर्कभाषा के अनुसार 'परार्थानुमान' क्या है? स्पष्ट कीजिए।

8. जैनदर्शन के अनुसार जीव के अस्तित्व का प्रमाण प्रस्तुत कीजिए।

अथवा

चावार्क दर्शन की आचार-मीमांसा की समीक्षा कीजिए।